पराग 8

पाठ 1. नव वर्ष

पाठ का परिचय

नव वर्ष के नव संकल्प और नव अभिलाषाएँ ही इस कविता का मुख्य भाव हैं। कवि प्रार्थना कर रहे हैं तथा ऐसे नव वर्ष का स्वागत कर रहे हैं जिसमें नव-निर्माण हो। दीन-दुखियों और मानवता का कल्याण हो। पूरे संसार में नई सृजनकारी कांतियाँ हों। नव वर्ष भारतवर्ष के लिए प्रेरणा और विकास का समय लेकर आए। नई इच्छाएँ और आशाएँ लेकर आए। सदियों से कष्ट उठाते आ रहे किसानों को नवजीवन दान मिले। शोषण के शिकार होते आ रहे मज़दूरों का भी कल्याण हो। उनके संगठन बनें तथा पद-दलित गरीब लोगों का भी कल्याण और विकास हो। मनुष्य का अहंकार सदा के लिए समाप्त हो जाए, भूखों को रोटियाँ मिल सकें ऐसी क्रांति लोगों के जीवन में आ जाए फिर भले ही उसके लिए और नए बलिदान देने पड़ें।

पाठ का वाचन

कक्षा में अध्यापक/अध्यापिका कविता का सस्वर पाठ करें। बच्चों को कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों को कविता का सरलार्थ बताएँ। कविता में प्रस्तुत भाव को बच्चों को सरल शब्दों में समझाते हुए कविता का अर्थ स्पष्ट करें। इसके बाद बच्चों से कविता के अंश पढ़ने के लिए कहें। सभी को अवसर दें।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

नवीनता मनुष्य को ऊर्जावान बनाती है। उसे प्रकृति और संसार की परिवर्तनशीलता का अहसास कराती है और सदा सकारात्मक परिवर्तन हेतु प्रयास के लिए प्रेरित करती है।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- नव वर्ष में तुम्हें क्या नवीनता अनुभव होती है?
- लोग नव वर्ष में कैसे-कैसे संकल्प लेते हैं?
- क्या क्रांतियों के आह्वान के लिए नव वर्ष का होना आवश्यक है?
- तुम नव वर्ष कैसे मनाते हो?